Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 03-05-2005

Participants : Yadav Dr. Karan Singh

>

Title: Need to fix minimum support price of honey with a view to safeguard the interest of beekeepers.

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर) : अध्यक्ष महोदय, मधुमक्खी पालन व शहद उत्पादन एक ग्रामीण रोजगार के रूप में उभर कर आया है। सरसों की फसल के दौरान मधुमक्खी पालक इन क्षेत्रों में अपने उपकरण लगा कर शहद निकालने का काम करते हैं। इस वर्ा राजस्थान के अलवर,, भरतपुर एवं धौलपुर जिलों में सरसों की बम्पर फसल के दौरान शहद उत्पादन भी बढ़ा है। पहले जहां पूरे सीजन में दो बार शहद निकलता था, इस वर्ा औसतन पांच राउंड में शहद निकला है मगर दुर्भाग्य है कि मधुमक्खी पालकों को शहद का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

दिल्ली, पंजाब, सहारनपुर व कोलकाता शहद खरीद के मुख्य केन्द्र हैं तथा यहां के बड़े व्यवसायी शहद का विदेशों में निर्यात करते हैं। इस बार अच्छे शहद उत्पादन को देखते हुए इन सब बड़े निर्यातकों ने आपसी पूल बना कर शहद के खरीद मूल्यों को बहुत कम कर दिया है। जहां गत वर्ा शहद 80 से 100 रुपए प्रति-किलो के हिसाब से खरीदा जा रहा था, इस वर्ा बड़े व्यापारियों के आपसी गठबंधन की वजह से शहद उत्पादकों से मात्र 40 रुपए किलो के भाव से खरीद के प्रस्ताव रखे गए हैं। हजारों टन शहद आज उत्पादकों के पास रखा है। उचित मूल्य न मिलने से मधुमक्खी पालक संकट में हैं। बड़े शहद व्यापारियों एवं निर्यातकों द्वारा साधारण मधुमक्खी पालकों का यह शोाण है। अतः मैं कृाि मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि वह शहद के न्यूनतम समर्थन मूल्य को घोाित करें तथा गरीब अधुमक्खी पालकों को उनके उत्पादन का उचित मूल्य दिलवाने में सरकार का कृाि मंत्रालय पहल करे।